बिहार में नए रामसर स्थल

चर्चा में क्यों?

अधिकारियों के अनुसार, बिहार के दो [वेटलैंड्स/आर्द्रभूमियों](#) को [रामसर कन्वेंशन](#) के तहत **अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के वेटलैंड्स की वैश्विक सूची** में जोड़ा गया है।

- इससे **भारत में ऐसे वेटलैंड्स** की **कुल संख्या 82** हो गई है।

मुख्य बिंदु:

- बिहार के जमुई ज़िले में नागी और नकटी पक्षी अभयारण्य अब रामसर कन्वेंशन का हिस्सा हैं।
  - दोनों पक्षी अभयारण्य मुख्य रूप से **नकटी बाँध** के निर्माण के माध्यम से सिंचाई के लिये विकसित मानव निर्मित वेटलैंड्स पर बनाए गए हैं।
  - दोनों अभयारण्यों को **सर्दियों के दौरान प्रवासी प्रजातियों के आवास** के रूप में उनके महत्त्व के कारण वर्ष 1984 में पक्षी अभयारण्य के रूप में नामित किया गया था।
  - इसमें इंडो-गंगा के मैदान पर **रेड-क्रेस्टेड पोशर्ड (*Netta rufina*)** और बार-हेडेड गीज़ (*Anser indicus*) का सबसे बड़ा समूह शामिल है। इस जलग्रहण क्षेत्र में पहाड़ियों से घिरे शुष्क पर्णपाती वन हैं।
- **वनस्पति और जीव:**
  - ये आर्द्रभूमि पक्षियों, स्तनधारियों, मछलियों, जलीय पादप, सरीसृपों और उभयचरों की 150 से अधिक प्रजातियों के लिये आवास प्रदान करती हैं।
  - ये संकटग्रस्त भारतीय हाथी और सुभेद्य देशी कैटफिश जैसी वैश्विक रूप से संकटापन्न प्रजातियों को आवास प्रदान करते हैं।
  - एशियाई जलपक्षी जनगणना**- 2023** के अनुसार, **नकटी पक्षी अभयारण्य में 7,844 पक्षी** पाए गए, जो सर्वेक्षण में सबसे अधिक है, इसके बाद **नागी पक्षी अभयारण्य में 6,938 पक्षी** पाए गए।
- इन स्थलों को **5 जून को** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर **अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि घोषित** किया गया।

रेड-क्रेस्टेड पोशर्ड (Red-Crested Pochard)

- रेड-क्रेस्टेड पोशर्ड (***Netta rufina***) एक बड़ी डाइविंग बत्तख है।
- इसका **प्रजनन आवास दक्षिणी यूरोप** में निम्नभूमि के दलदल और झीलें हैं तथा यह **काला सागर के मैदानी एवं अर्द्ध-मरूभूमियों** से लेकर **मध्य एशिया व मंगोलिया तक** विस्तृत है। जहाँ ये प्रजाति **भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका में सर्दियों के दौरान प्रवास** करते हैं।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट**- कम चिंतनीय**
  - CITES**- परिशिष्ट II**

रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

Drishti IAS

परिचयः

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष **1971** में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष **1975** में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थलः** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्डः

- वर्ष **1990** में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँः

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- **विश्व आर्द्रभूमि दिवसः 2** फरवरी

भारत और रामसर अभिसमयः

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष **1982** में लागू हुआ।
- **रामसर स्थलों की कुल संख्याः 75**
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, **1986** के प्रावधानों के तहत 'आद्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, **2017**' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थलः** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थलः** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्यः** तमिलनाडु (14)
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँः**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - लोकटक झील, मणिपुर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-ramsar-sites-in-bihar